१०% की डील

हाय रीडर्स, मैं अरुण, आज मैं आपको एक गांव की कहानी बताने जा रहा हूं। अब ज्यादा बोर न करते हुए आपको कहानी बताता हूं। ये उन दिनों की बात है जब मैं एक कम्पनी में सेल्स रिप्रेजेन्टेटिव था राजकोट और जामनगर के सभी गांवों में जाना होता था मुझे। एक दिन मैं मेरे वितरक के साथ जामनगर में विजिट कर रहा था। एक दुकान पर गए वहां दुकानदार और उसकी बीवी दोनो बैठे थे। मैंने दुकानदार को नमस्कार करने के बाद अपने प्रोडक्ट्स के बारे में बता रहा था तो उसने कहा सर हम आपकी कम्पनी के सारे प्रोडक्ट्स अपनी दुकान से बेचते हैं। लेकिन हमें इसमें कोई खास प्रोफिट नहीं मिलता है। मैंने उसका नाम पूछा तो वो बोला मेरा नाम राजुभाई है और मेरी पत्नी कृष्णा है मैंने नमस्ते किया। फिर कृष्णा बोली सर आप कुछ स्कीम कर दें तो.... इतना बोल कर उसने मेरी ओर मतलबी स्माइल दी। मैंने भी इम्प्रेशन जमाते हुए कहा ओ के अब भाभी ने कहा है तो कुछ तो करना पड़ेगा.. मैने उनको 10% की स्कीम स्वीकृत कर दी। राजुभाई बोले सर ठंडा पियेंगे? मैंने कहा क्यो नहीं आप प्यार से पिलायेंगे तो ज़हर भी पी लेंगे। और मैंने कृष्णा की ओर देखा और अखबार रख दिया उसके सामने। उसने देखा कि मैंने नम्बर लिखा है। राजुभाई कोल्ड ड्रिंक्स लेकर आये, मैंने पिया और वहां से चले आये। शाम को ६.०० बजे मेरे मोबाइल की रिंग बजी मैंने देखा जामनगर का नम्बर था। मैंने कॉल रिसीव की। सामने से औरत की आवाज़ आई हैलो मैं कृष्णा बोल रही हूं। मैंने कहा बोलिए, और कोई स्कीम चाहिए वो बोली आपने मुझे नम्बर क्यो दिया? मैंने कहा लिखा था सिर्फ अपने लिए, क्यो? बोलिए मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूं। वो बोली फोन पर ही सेवा करेंगे? मैंने बोला आप जैसा कहो। वो बोली मिलो कहीं मैंने कहा ओ के जैसा तुम कहो, कहां मिलें तो वा बोली जामनगर से बाहर कहीं। कल सुबह जूनागढ़ ज़ू में। मैंने कहा ठीक है।

दूसरे दिन सुबह ९.३० बजे मैं जूनागढ़ सक्करबाग में गया, थोड़ी देर बैठा रहा। मेरे फोन की रिंग बजी मैंने रिसीव किया सामने कृष्णा थी बोली कहां हो? मैंने कहा सक्करबाग में। वो बोली ओ के मैं आ रही हूं। थोड़ी देर बाद मैंने देखा कि वो सामने से आ रही थी गुजराती साड़ी में उसका बदन बहुत ही सेक्सी लग रहा था। साड़ी के पार उसकी नाभि साफ दिखाई दे रही थी। मैंने कहा बोलिए भाभी यहां कौन सी स्कीम दूं आपको। तो उसने कहा कि मजाक छोड़िए और मुझे भाभी मत कहो। मैंने पूछा कि आपने मुझे यहां क्यो बुलाया है। तब उसने कहा कि एक जवान औरत किसी मर्द को क्यो बुलाती है, क्या तुम्हें नहीं पता? मैंने कहा नहीं मुझे नहीं पता है, किसी ने आज तक ऐसे बुलाया नहीं। उसने कंधे पर घूसा मार के कहा मज़ाक बंद करो, कल तुम्हें देखते ही मेरा दिल तुम पर आ गया था, बोलो मैं तुम्हें पसंद हूं ? मैंने कहा अगर तुम पसंद न होतीं तो मैं तुम्हें अपना नम्बर ही क्यो देता। और उसके होंठों पर किस कर दिया तो वो बोली यहां नहीं, सब लोग देख रहे हैं, तुम मुझे किसी होटल में ले चलो वहां जितना तुम्हारा मन करे प्यार कर लेना। मैं उसे एक होटल में ले गया। होटल में ले जाकर मैंने उसको अपनी बाहों में भर लिया और किस करने लगा, उसके होंठ इतने सेक्सी थे कि छोड़ने का मन नहीं हो रहा था। वो भी वाइल्ड होती जा रही थी, उसने मेरी शर्ट के बटन

© 2008, www.antarvasna.com

Deal of 10 %

खोलने शुरू कर दिये। मैंने भी उसे नंगा कर दिया और उसकी ३६ की साइज़ की चूचियों को चूसने लगा। वो गरम हो रही थी, मैंने उसे पलंग पर लिटा दिया और उसकी चूत को चाटने लगा। मज़ा आ रहा था मैंने उसे इतना गरम कर दिया था कि वो बोल पड़ी अरुण जल्दी से मुझे चोद डालो, मेरी प्यास बुझा दो अरुण प्लीज़। मैं उसके दोनो पैरों के बीच में आ गया और उसके चूत में अपना लंड डाल दिया तभी वो चीख पड़ी। मगर मैंने ध्यान नहीं दिया और मैं ज़ोर ज़ोर से धक्के लगाने लगा उसका शरीर थोड़ी देर में ही खिंचने लगा, मैं समझ गया कि वो झड़ने वाली थी, थोड़ी देर में ही वो शान्त हो गई लेकिन मेरा काम अभी खत्म नहीं हुआ था मैंने धक्के लगाने चालू रखे। करीब २० मिनट तक धक्के लगाता रहा वो उस दौरान ३ बार झड़ चुकी थी मैं भी अब झड़ने वाला था। मैंने कहा कृष्णा मैं झड़ने वाला हूं। वो बोली कोई बात नहीं, करते रहो, अन्दर ही छोड़ना थोड़ी देर में मैं भी झड़ गया। मैं उसके ऊपर ही गिर गया। थोड़ी देर बाद वो मेरे लंड को और मैं उसकी चूचियों को सहलाने लगे। हम फिर से गरम हो गए, उसने मेरा लंड अपने मुंह में ले लिया और उसे चूसने लगी, मैं उसकी चूचियों को दबाता रहा। थोड़ी देर बाद मैंने उसे खींचकर फिर से बेड पर लिटा दिया और उसकी चूत में अपना लंड डाल दिया वो आ आ.....आ उह उह उह.....उह करके सिस्कारियां लेने लगी और बोली अरुण प्लीज़ और ज़ोर से चोदो मुझे। मैंने ज़ोर ज़ोर से धक्के देने चालु कर दिए वो आ...आ कर रही थी मज़ा आ रहा था उसकी आंखें बंद थीं मैंने अपने मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग चालू कर दिया। उसकी चुदाई की रिकॉर्डिंग २०–३० मिनट के बाद मैं झड़ने वाला था मैंने लंड बाहर निकाला और उसके मुंह में दे दिया वो उसे चूसने लगी पूरा माल उसके मुंह में मैंने डाल दिया वो उसे पी गई। फिर हम दोनो बाथरूम में गए, नहाने लगे वहां मैं उसके पीछे खड़ा होकर उसके बूब्स पे तो कभी उसके पेट पर साबुन मलने लगा। मेरा लंड फिर से खड़ा हो गया। मेरा लंड उसकी गांड पे छू रहा था मैंने उसे घोड़ी बनाकर उसकी गांड में अपना लंड डालने लगा, सुपाड़ा अन्दर जाते ही वो चीख पड़ी। अरुण बहुत दर्द हो रहा है इसे निकालो इसे तुम मेरी चूत का भोसड़ा बना दो लेकिन मेरी गांड मत मारो। मैंने अनसुना कर के दूसरा धक्का लगाया और लंड उसकी टाइट गांड में डाल दिया। कृष्णा मेरी जान आज तो मैं तुझे रंडी की तरह चोदुंगा तूझे जितना चिल्लाना है चिल्ला ले वो आह.... आह... कर रही थी मैं उसकी गांड मारे जा रहा था १५ मिनट तक उसकी गांड मारने के बाद मैंने लंड निकाल कर उसकी चूत में डाल दिया। वो आह.. करके राहत की सांस ली और बोली चोदो मुझे मैं तुम्हारे लिए रंडी बनने को भी तैयार हूं रखैल तो बन ही गई तुम्हारी आज से, जब जी में आए चोदना मुझे। बाथरूम में चोदने के बाद नहाये और कपड़े पहन कर खाना खाने के लिए चले गए, वो बोली आज मेरी भूख तुमने मिटा दी। खाना खाने के बाद हम फिल्म देखने के लिए चले गए, फिल्म मर्डर और सेक्सी थी वहां पर भी मेरा लंड खड़ा हो गया मैंने अपना लंड पैंट से निकाल कर कृष्णा के हाथ में दे दिया और मेरे हाथ उसके ब्लाउज में थे। हम दोनो फिर से गरम होने लगे। फिल्म खत्म होने के बाद मैंने उसे होटल में फिर चोदा। बस इसी तरह हमारी चुदाई का कार्यक्रम कभी राजकोट में तो कभी जुनागढ़ में चलता रहा।

फिर मिलते हैं तब तक के लिए विदा....

© 2008, www.antarvasna.com